भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: 147

मंगलवार, 10 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

एक जिला एक उत्पाद

***147. श्री संजय दिना पाटीलः**

प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़ः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने महाराष्ट्र में विशेष रूप से राज्य के प्रमुख निर्यात, संभार तंत्र और वित्तीय केन्द्र के रूप में मुंबई के संदर्भ में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) जिलों को निर्यात केन्द्र पहल के रूप में प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किया है;

(ख) यदि हां, तो महाराष्ट्र के सभी 36 जिलों में ओडीओपी के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करने हेतु सरकार द्वारा क्या भूमिका निभाई गई है और मुंबई के पत्तनों, विमानपत्तनों और व्यापार सुविधा अवसंरचना का कितना लाभ उठाया गया है;

(ग) जिलों में जिला निर्यात संवर्धन समितियों द्वारा जिला निर्यात कार्य योजनाओं को तैयार करने और उनके निष्पादन के लिए प्रदान की गई केन्द्रीय वित्तीय सहायता, तकनीकी और नीतिगत सहायता का ब्यौरा क्या है;

(घ) निर्यात वृद्धि, नए निर्यातकों, रोजगार और ओडीओपी उत्पादों के लिए एमएसएमई की भागीदारी के संदर्भ में क्या स्पष्ट परिणाम प्राप्त हुए हैं;

(ङ) क्या मुंबई से निकट होने के बावजूद अंतर-जिला असमानताएं, 'ब्रांडिंग गैप' और संभार तंत्र संबंधी बाधाएं बनी हुई हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) पूरे महाराष्ट्र में संतुलित निर्यात वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं तथा इसके लिए क्या समय-सीमा और निगरानी ढांचा प्रस्तावित है?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्री

(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (च): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

'एक जिला एक उत्पाद' के संबंध में दिनांक 10.02.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 147 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (च): निर्यात हब के रूप में जिला पहल, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी), वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का एक सक्षम फ्रेमवर्क है, जिसमें कोई वित्तीय परिव्यय नहीं है। यह पहल जिला स्तर पर निर्यात क्षमता को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों (महाराष्ट्र सहित) के साथ-साथ अन्य हितधारकों की मौजूदा स्कीमों, कार्यक्रमों और संस्थागत प्रयासों में तालमेल और समन्वय के माध्यम से कार्य करती है। इसके अलावा, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल, देश के प्रत्येक जिले के उत्पादों को बढ़ावा देने की एक पहल है। इस पहल का उद्देश्य, सभी क्षेत्रों में समग्र सामाजिक आर्थिक विकास को सक्षम बनाने के लिए देश के प्रत्येक जिले (एक जिला-एक उत्पाद) से कम से कम एक उत्पाद का चयन करना, उसे ब्रांड बनाना और उसका प्रचार-प्रसार करना है।

ओडीओपी और निर्यात हब (डीईएच) पहल के तहत चिह्नित किए गए उत्पादों और सेवाओं की विजिबिलिटी को प्रोत्साहन प्रदान करने और इसे बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें महाराष्ट्र से चिह्नित उत्पाद भी शामिल हैं। इन कदमों में, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भागीदारी को सुगम बनाना, विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से क्षमता निर्माण की पहल करना; सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जैम)-ओडीओपी बाजार के लिए ई-कॉमर्स ऑनबोर्डिंग कार्यक्रम संचालित करना शामिल है, जो भारत के सर्वश्रेष्ठ ओडीओपी उत्पादों को प्रदर्शित और स्टॉक करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ओडीओपी को बढ़ावा देने के लिए, विदेशों में भारतीय मिशनों के साथ एंगेजमेंट, वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठकें और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भागीदारी शुरू की गई है। इसके अलावा, इन उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने के लिए भारत में बहुपक्षीय और द्विपक्षीय बैठकों के दौरान उपहार स्वरूप प्रदान करने के भाग के रूप में विभिन्न ओडीओपी उत्पादों को शामिल किया गया है।

मुंबई, राज्य के निर्यात, लॉजिस्टिक्स और वित्तीय केंद्र के रूप में; अपने बंदरगाहों, अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, एसईजेड और व्यापार संबंधी अवसंरचना के

माध्यम से निर्यात की सुविधा प्रदान करता है। महाराष्ट्र सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, मुंबई में ओडीओपी को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। चूंकि रत्न और आभूषण मुंबई से चिह्नित ओडीओपी उत्पाद है; भारत सरकार ने नवी मुंबई के महापे में इंडिया ज्वैलरी पार्क मुंबई (आईजेपीएम) की संस्थापना की सुविधा प्रदान की है। लगभग 21.3 एकड़ में फैली इस परियोजना को महाराष्ट्र सरकार के साथ साझेदारी में रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) द्वारा विकसित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने एसईईपीजेड विशेष आर्थिक क्षेत्र में एक सामान्य सुविधा केन्द्र (सीएफसी) की स्थापना में सहायता प्रदान की है, जिससे मुंबई से जुड़ी व्यापार सुविधा अवसंरचना को सुदृढ़ किया जा सके है।

डीजीएफटी की निर्यात हब के रूप में जिला (डीईएच) पहल के तहत, देश के सभी जिलों में निर्यात क्षमता वाले उत्पादों और सेवाओं की पहचान राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों सहित सभी हितधारकों के परामर्श से की जाती है। इसके अलावा, डीईएच के तहत, राज्य निर्यात संवर्धन समिति (एसईपीसी) और जिला स्तर पर जिला निर्यात संवर्धन समिति (डीईपीसी) का गठन करके सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में संस्थागत तंत्र स्थापित किया गया है। महाराष्ट्र में, सभी 36 जिलों में राज्य निर्यात संवर्धन समिति (एसईपीसी) के साथ-साथ जिला निर्यात संवर्धन समितियों (डीईपीसी) का गठन किया गया है। ओडीओपी पहल के तहत महाराष्ट्र में चिह्नित किए गए जिले-वार उत्पादों की सूची **अनुबंध-I** में संलग्न हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने इग्नाइट (समावेशी परिवर्तन और सशक्तिकरण के लिए औद्योगिक विकास नेटवर्किंग), महाराष्ट्र निर्यात पुरस्कार और औद्योगिक क्लस्टरों एमएसआई-सीडीपी (महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक-क्लस्टर विकास कार्यक्रम), सीएमईजीपी (मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम), लॉजिस्टिक्स नीति और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित मौजूदा स्कीमों के समन्वय के माध्यम से जिला निर्यात संवर्धन समितियों के जरिए जिला कार्य योजनाओं की तैयारी और कार्यान्वयन को सक्रिय रूप से शुरू किया है।

इसके अलावा, महाराष्ट्र सरकार ने ओडीओपी उत्पादों को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए महाराष्ट्र राज्य निर्यात नीति, 2023 के तहत निर्यात संवर्धन के

एक भाग को निर्धारित किया है। संबंधित जिला निर्यात संवर्धन समितियों द्वारा तैयार की गई जिला निर्यात कार्य योजनाओं को मॉनीटर करने और उनके निष्पादन के लिए इसे महाराष्ट्र सरकार के मैत्री पोर्टल पर अपलोड किया गया है। उपर्युक्त नीतिगत कार्यों के परिणामस्वरूप, महाराष्ट्र का कुल निर्यात वर्ष 2023-2024 के 5,56,400 करोड़ रुपए की तुलना में बढ़कर वर्ष 2024-2025 में 5,57,271 करोड़ रुपए हो गया (स्रोत: डीजीसीआईएस पोर्टल)।

*****

अनुबंध-I

दिनांक 10.02.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 147 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) के तहत महाराष्ट्र के उत्पाद

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	जिला	उत्पाद	श्रेणी	क्षेत्र
1	महाराष्ट्र	अहमदनगर	केन शुगर	प्राइमरी	विनिर्माण
2	महाराष्ट्र	अहमदनगर	डेयरी उत्पाद (दूध से निर्मित उत्पाद)	सेकेंडरी	विनिर्माण
3	महाराष्ट्र	अकोला	कॉटन गिनिंग और प्रेसिंग	प्राइमरी	वस्त्र
4	महाराष्ट्र	अकोला	दाल	सेकेंडरी	खाद्य प्रसंस्करण
5	महाराष्ट्र	अमरावती	वस्त्र	प्राइमरी	वस्त्र
6	महाराष्ट्र	अमरावती	मेंडरीन नारंगी	सेकेंडरी	कृषि
7	महाराष्ट्र	औरंगाबाद	मराठवाड़ा केसर आम	प्राइमरी	कृषि
8	महाराष्ट्र	औरंगाबाद	ऑटो घटक	सेकेंडरी	विनिर्माण
9	महाराष्ट्र	बीड़	कपास और कपास के बीज का तेल	प्राइमरी	विनिर्माण
10	महाराष्ट्र	बीड़	बीड कस्टर्ड एप्पल	सेकेंडरी	कृषि
11	महाराष्ट्र	भंडारा	चावल	प्राइमरी	कृषि
12	महाराष्ट्र	भंडारा	खनिज आधारित उत्पाद	सेकेंडरी	अन्य
13	महाराष्ट्र	बुलढाना	कपास से संबंधित उत्पाद	प्राइमरी	कृषि
14	महाराष्ट्र	बुलढाना	रोपण के लिए बीज	सेकेंडरी	कृषि
15	महाराष्ट्र	चंद्रपुर	चावल	प्राइमरी	कृषि
16	महाराष्ट्र	चंद्रपुर	बांस के उत्पाद	सेकेंडरी	हस्तशिल्प
17	महाराष्ट्र	धुले	डी-ऑइल केक	प्राइमरी	खाद्य प्रसंस्करण
18	महाराष्ट्र	धुले	वस्त्र	सेकेंडरी	वस्त्र
19	महाराष्ट्र	गडचिरोली	चावल	प्राइमरी	कृषि
20	महाराष्ट्र	गडचिरोली	वनोत्पाद	सेकेंडरी	कृषि
21	महाराष्ट्र	गोंडिया	चावल	प्राइमरी	कृषि
22	महाराष्ट्र	गोंडिया	बांस की सामग्री	सेकेंडरी	हस्तशिल्प

23	महाराष्ट्र	हिंगोली	हल्दी	प्राइमरी	कृषि
24	महाराष्ट्र	हिंगोली	सोयाबीन और सोयाबीन से निर्मित उत्पाद	सेकेंडरी	खाद्य प्रसंस्करण
25	महाराष्ट्र	जलगांव	जलगांव केला	प्राइमरी	कृषि
26	महाराष्ट्र	जलगांव	प्लास्टिक पीवीसी पाइप	सेकेंडरी	विनिर्माण
27	महाराष्ट्र	जालना	मीठा संतरा	प्राइमरी	कृषि
28	महाराष्ट्र	जालना	टीएमटी स्टील बार	सेकेंडरी	विनिर्माण
29	महाराष्ट्र	कोल्हापुर	कोल्हापुर गुड़ (गन्ना उत्पाद आदि)	प्राइमरी	खाद्य प्रसंस्करण
30	महाराष्ट्र	कोल्हापुर	इंजीनियरिंग	सेकेंडरी	विनिर्माण
31	महाराष्ट्र	लातूर	सोयाबीन और सोयाबीन से निर्मित उत्पाद	प्राइमरी	खाद्य प्रसंस्करण
32	महाराष्ट्र	लातूर	दालें	सेकेंडरी	खाद्य प्रसंस्करण
33	महाराष्ट्र	मुंबई शहर	रत्न और आभूषण	प्राइमरी	उत्पादन
34	महाराष्ट्र	मुंबई शहर	चमड़ा	सेकेंडरी	हस्तशिल्प
35	महाराष्ट्र	मुंबई उप नगरीय	रत्न और आभूषण	प्राइमरी	विनिर्माण
36	महाराष्ट्र	मुंबई उपनगरीय	समुद्री उत्पाद	सेकेंडरी	समुद्री
37	महाराष्ट्र	नागपुर	नागपुर संतरा	प्राइमरी	कृषि
38	महाराष्ट्र	नागपुर	इंजीनियरिंग	सेकेंडरी	विनिर्माण
39	महाराष्ट्र	नांदेड़	सोयाबीन और सोयाबीन से निर्मित उत्पाद	प्राइमरी	खाद्य प्रसंस्करण
40	महाराष्ट्र	नांदेड़	मसाले	सेकेंडरी	कृषि
41	महाराष्ट्र	नंदुरबार	लाल मिर्च पाउडर	प्राइमरी	खाद्य प्रसंस्करण
42	महाराष्ट्र	नंदुरबार	वस्त्र	सेकेंडरी	वस्त्र
43	महाराष्ट्र	नासिक	अंगूर/ किशमिश	प्राइमरी	कृषि
44	महाराष्ट्र	नासिक	पैठणी साड़ियाँ	सेकेंडरी	हथकरघा
45	महाराष्ट्र	उस्मानाबाद	दालें	प्राइमरी	खाद्य प्रसंस्करण
46	महाराष्ट्र	उस्मानाबाद	चीनी	सेकेंडरी	खाद्य प्रसंस्करण

47	महाराष्ट्र	पालघर	दहानु घोलवड चीकू (सपोता)	प्राइमरी	कृषि
48	महाराष्ट्र	पालघर	समुद्री उत्पाद	सेकेंडरी	समुद्री
49	महाराष्ट्र	परभनी	चना (हरा भरा)	प्राइमरी	कृषि
50	महाराष्ट्र	परभनी	गुड़	सेकेंडरी	कृषि
51	महाराष्ट्र	पुणे	इंजीनियरिंग सामग्री	प्राइमरी	विनिर्माण
52	महाराष्ट्र	पुणे	फ्रोजन फूड	सेकेंडरी	खाद्य प्रसंस्करण
53	महाराष्ट्र	रायगढ़	समुद्री उत्पाद	प्राइमरी	समुद्री
54	महाराष्ट्र	रायगढ़	लोहा और इस्पात	सेकेंडरी	विनिर्माण
55	महाराष्ट्र	रत्नागिरि	अल्फांसो आम	प्राइमरी	कृषि
56	महाराष्ट्र	रत्नागिरि	समुद्री उत्पाद	सेकेंडरी	समुद्री
57	महाराष्ट्र	सांगली	हल्दी	प्राइमरी	कृषि
58	महाराष्ट्र	सांगली	पंप स्पेयर पार्ट्स	सेकेंडरी	उत्पादन
59	महाराष्ट्र	सतारा	स्ट्रॉबेरी	प्राइमरी	कृषि
60	महाराष्ट्र	सतारा	गुड़	सेकेंडरी	कृषि
61	महाराष्ट्र	सिंधुदुर्ग	वेंगुर्ला काजू	प्राइमरी	कृषि
62	महाराष्ट्र	सिंधुदुर्ग	देवगढ़ अल्फांसो आम	सेकेंडरी	कृषि
63	महाराष्ट्र	सोलापुर	सोलापुर टेरी तौलिया	प्राइमरी	कपड़ा
64	महाराष्ट्र	सोलापुर	अनार	सेकेंडरी	कृषि
65	महाराष्ट्र	ठाणे	वस्त्र एवं परिधान	प्राइमरी	वस्त्र
66	महाराष्ट्र	ठाणे	बाजरा	सेकेंडरी	कृषि
67	महाराष्ट्र	वर्धा	सूती धागा	प्राइमरी	वस्त्र
68	महाराष्ट्र	वर्धा	वायगांव हल्दी	सेकेंडरी	कृषि
69	महाराष्ट्र	वाशिम	सोयाबीन और सोयाबीन उत्पाद	प्राइमरी	खाद्य प्रसंस्करण
70	महाराष्ट्र	वाशिम	कपास से संबंधित उत्पाद और वस्त्र	सेकेंडरी	वस्त्र
71	महाराष्ट्र	यवतमाल	कॉटन गिनिंग और प्रेसिंग	प्राइमरी	वस्त्र
72	महाराष्ट्र	यवतमाल	डोलोमाइट और चूना पत्थर	सेकेंडरी	विनिर्माण

****